Patrika (Indore), 29th November 2019, *Patrika Plus*, Page-13

पिछले साल की तुलना में 53 पोजिशन का सुधार

आइआइटी इंदौर को मिला क्यूएस एशिया रैंकिंग में 188वां स्थान

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी (आइआइटी) इंदौर ने क्यूएस एशिया रैंकिंग 2020 में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एशिया में 557 पब्लिशड इंस्टिट्यूशन में से 188वां स्थान प्राप्त किया है। पिछले साल क्यूएस इंडिया रैंकिंग 241 थी। पिछले साल की तुलना में 53 पोजिशन का सुधार हुआ है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग एशिया 2020 में परफॉर्मेंस के लिए प्रयोग की गई मैथेडोलॉजी में एकेडमिक रेप्यूटेशन को 30 प्रतिशत, एम्पलॉय रेप्यूटेशन को 20 प्रतिशत, फैकल्टी-स्टूडेंट को 10 प्रतिशत, स्टाफ विद पीएचडी को 5 प्रतिशत, सिटेशन पर पेपर 10 प्रतिशत, पेपर्स पर फैकल्टी 5 प्रतिशत, इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क 10 प्रतिशत, इंटरनेशनल फैकल्टी एंड स्टूडेंट्स 2.5 प्रतिशत, एक्सचेंज स्टूडेंट्स (इनबाउंड एंड आउटबाउंड) 2.5 प्रतिशत रखा गया है।

आइआइटी इंदौर सर्वश्रेष्ठ सेकंड जनरेशन आइआइटी के रूप में उभरा है। आइआइटी इंदौर ने टॉप 34 प्रतिशत में परफॉर्म किया है। आइआइटी इंदौर के बेहतर प्रदर्शन के पीछे फैकल्टीज विद पीएचडी, फैकल्टी स्टूडेंट्स रेशो, पेपर पर फैकल्टी और सिटेशन पर फैक्रल्टी प्रमुख कारण थे। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. प्रदीप माथुर ने कहा, आइआइटी इंदौर 2020 क्यूएस एशिया रैंकिंग में हैदराबाद और रोपड़ को पछाड़कर टॉप सेकंड जनरेशन आइआइटी के रूप में उभरा है। प्रत्येक वर्ष रैंकिंग में हमारा निरंतर सुधार इस बात का प्रमाण है कि शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए हमारी रणनीतिक योजनाओं को सफलता मिल रही है।